

DZONGKHA A1 – STANDARD LEVEL – PAPER 1 DZONGKHA A1 – NIVEAU MOYEN – ÉPREUVE 1 DZONGKHA A1 – NIVEL MEDIO – PRUEBA 1

Monday 14 May 2007 (morning) Lundi 14 mai 2007 (matin) Lunes 14 de mayo de 2007 (mañana)

1 hour 30 minutes / 1 heure 30 minutes / 1 hora 30 minutos

### INSTRUCTIONS TO CANDIDATES

- Do not open this examination paper until instructed to do so.
- Write a commentary on one passage only. It is not compulsory for you to respond directly to the guiding questions provided. However, you may use them if you wish.

## INSTRUCTIONS DESTINÉES AUX CANDIDATS

- N'ouvrez pas cette épreuve avant d'y être autorisé(e).
- Rédigez un commentaire sur un seul des passages. Le commentaire ne doit pas nécessairement répondre aux questions d'orientation fournies. Vous pouvez toutefois les utiliser si vous le désirez.

#### INSTRUCCIONES PARA LOS ALUMNOS

- No abra esta prueba hasta que se lo autoricen.
- Escriba un comentario sobre un solo fragmento. No es obligatorio responder directamente a las preguntas que se ofrecen a modo de guía. Sin embargo, puede usarlas si lo desea.

2207-0079

# 

## 1. (a)

- 10 प्रमः चञ्चात्रे र्सुः श्रीतः मश्रा
- त्या

  २० स्ट्रिश्च मुणानमुद्दियाम् अर्थाः १० स्ट्रिश्च मुणानमुद्दियाम् अर्थाः अर्थः भीयाम् अन्यस्तियासः स्ट्रिश्च स्त्रिश्च स्त्रिण स्त्र स्त्रिण स्त्रिण स्त्रिण स्त्रिण स्त्रिण स्त्रिण स्त्रिण स्त्रिण
  - त्रांत्र के क्षेत्र के के कि कि का का कि का कि का कि का कि का कि का के कि का के कि का के कि का के कि का कि
- 25 लर.सूरताजन लर.जूर.मध्येचनरा भ्रामावयःष्ट्रं मीना कः स्वीनायत्तर्हे. जूर.र्यूनाचुर क्षेत्रं क्षेत्रं स्वीनार्यः भ्रामावयःष्ट्रं मीना कः स्वीनायत्तर्हे. जूर.र्यूनाचुर क्षेत्रं क्षेत्रं स्वीनार्यः कष्णेत्रं स्वीनार्यः स्वीनार्यः कष्णेत्रं स्वीनार्यः कष्णेत्रं स्वीनार्यः कष्णेत्रं स्वीनार्यः कष्णेत्रं स्वीनार्यः कष्णेत्रं स्वीनार्यं स्वीनार्यः कष्णेत्रं स्वीनार्यं स्वीनार्यः स्वीनार्यं स्वीनार्यं स्वीनार्यं स्वीनार्यं स्वीनार्यं स्वीनार्यं स्वीनार्यं स्वीनार्यः स्वीनार्यं स्वीनार्यं

म्बर् भुन्ने अस्त भुर क्षेत्र भुर क्षेत्र स्था क्षेत्र स्

30 र्कूर-ब्रिश्नश्चात्रशास्त्रश्चित्रः श्चार्यात्रः स्त्रीयः श्चार्यात्रः स्त्रीयः स्

- 35 श.चित्र, चेत्रप्त्रीं चक्रीया का स्वत्य क्षेत्र प्राचित्र प्राचित्र प्राचित्र क्षेत्र प्राचित्र क्षेत्र प्राचित्र क्षेत्र क्षेत्र

क्रेंन्'यते'न्येवर्श्वेचर्यो'डव'सून्। श्वेतिं २००८ ह्यं ३ यते'गुव'ग्रया

- धेमाक्समार्थित्राची महिस्रचक्सित्रं मेरा व्यमिविवर्षं सुप्तर व्यमिविवर्षं सुप्तर व्यक्तिवर्षं सुप्तर व्यक्ति
- ईंशच्चेशयां मेश विन्दिर सूर्त् अध्याप्ती प्रमास क्षेत्र विते देवाता अन्ति मान्य स्थाप विश्व प्रचा विवास क्षेत्र विवास क्षेत्र

- **1.** (b)
- इस्ट्र-श्र-क्य-विद्वानुत्-र्यालक्ष्यावक्ष्याल् । मिथ-बु-रश्न-थ्य-विद्य-बु-रश्-थ्य-लक्ष्याल् । व्यवानश्चानुत्व-विद्वानुत्-विद्य-विद्यालक्ष्याल् । व्यवानश्चानुत्व-विद्यानुत्-विद्य-विद्यालक्ष्याल् । व्यवानश्चानुत्-विद्यान्-विद्यान्-विद्यान्-विद्यानुत्-विद्यान्-विद्
- क्ट्रिय: ट्रिट्ट इंट्र ह्र शान्त्र देशकाल होया तक्ता वित्र देश क्षेट्र वित्र क्षेट्र विद्या वित्र क्षेत्र विद्य विद्य
- रिजाप्राभुरे.ता.तक्षण.सूच्.मेंयाज.सैबा.तक्षण.जूर्। |बुंश.बोर्शेटश.जूर्ग।

  ेष्ये.शावय.भुरे.तपु.ाव.तक्षण.प्रेशशावक्षण.जूर्ग |हूर्य.श्रम.शाक्षणशासीट.तूर.प्रेशशावक्षण.जूर्ग |

र्केशहें तत्त्वमारा गुत्र त्येमारा ग्री इसाधर। ईसाधर दुर त्येमाकर में रादर पर पर प्रसूत्र तया रही गासुर रास है पेरे व तीर पर पर ।

- र्डिंश चैश्वराय वीश र्डिंश तर्दे दुर्गेद चेंश्वर्य देश तच्चुरा छै। श्वर्य /चम्बद घट्या वादे श्वेर्स्व दुवाश यश में?
- लश. यह्नमाड्डेब.या्व्र.त्व्य.या्व्र.विमाली. खेष.ता्व्यविष्त. क्ष्. म्वानं मान्याम् त्र. रेत्र. रेत्र. र्वे. त्य्व्य. व्यं. व्यं.